पु॰ना International School
Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

Class-VII
Hindi
Specimen copy
Year- 2021-22
Month-
August, September

अनुक्रमणिका

क्रम नंबर	महिना	पाठ / कविता का नाम
1	अगस्त	➢ **कविता -8= शाम एक किसान** ➢ व्याकरण = विशेषण ➢ लेखन = निबंध ➢ **पाठ-9= चिड़ियाँ की बच्ची** ➢ व्याकरण = क्रिया विशेषण ➢ लेखन = चित्र वर्णन ➢ **पाठ-10= अपूर्व अनुभव** ➢ व्याकरण = अशुद्धि शोधन ➢ लेखन =सूचना बाल महाभारत = पाठ -11 से 14
2	सितम्बर	➢ **पुनरावर्तन**

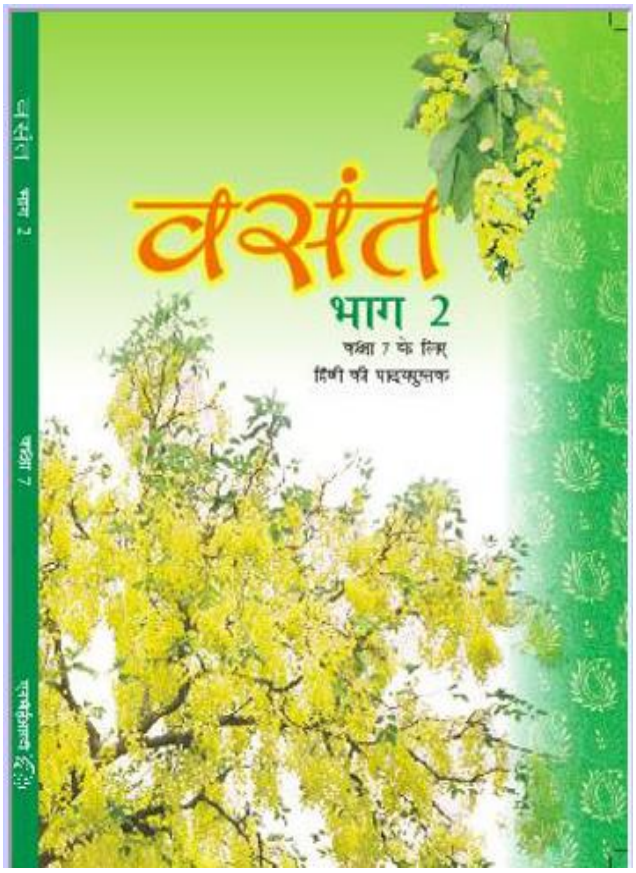

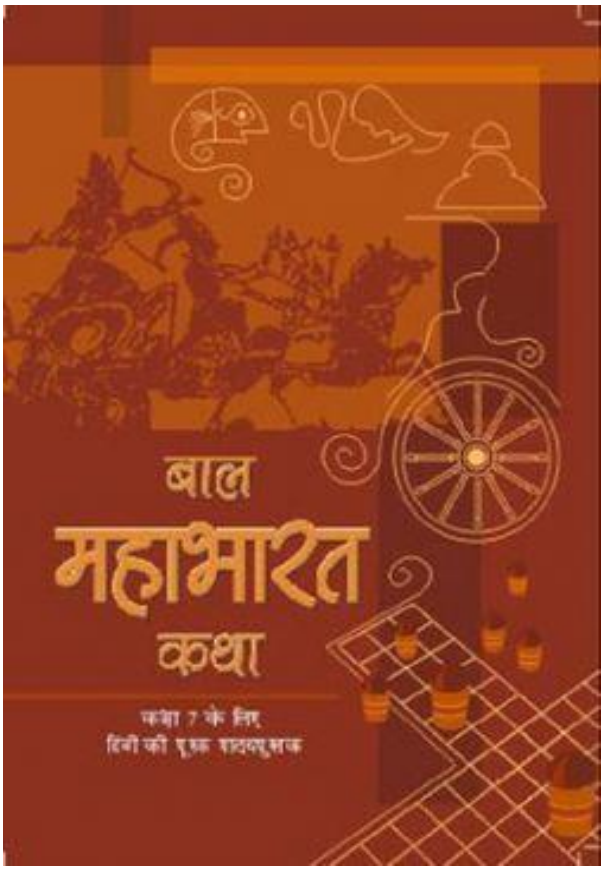

कविता-8 शाम एक किशान
(कवि – सर्वेश्वरदयाल सक्सेना)

* शाम एक किसान कविता का सारांश:

सर्वेश्वर दयाल सक्सेना जी ने अपनी कविता 'शाम-एक किसान' में शाम के समय का बड़ा ही मनोहर वर्णन किया है। शाम का प्राकृतिक दृश्य बहुत ही सुंदर है। इस दौरान पहाड़ – बैठे हुए किसी किसान जैसा दिख रहा है। आकाश उसके माथे पर बंधे एक साफे (पगड़ी) की तरह दिख रहा है। पहाड़ के नीचे बह रही नदी, किसान के पैरों पर पड़ी चादर जैसी लग रही है। पलाश के पेड़ों पर खिले लाल फूल किसी अंगीठी में रखे अंगारों की तरह दिख रहे हैं। फिर पूर्व दिशा में गहराता अंधेरा भेड़ों के झुंड जैसा लगता है। अचानक मोर के बोलने से सब बदल जाता है और शाम ढल जाती है।

* नए शब्द

1) साफा
2) चिलम
3) दहकना
4) पलाश

* शब्दार्थ

1) साफा = पगड़ी
2) जंगल = वन
3) आवाज = सूर
4) पलाश = एक वृक्ष
5) दहकना = बिना ज्वाला के साथ जलना

* सही विकल्प चुनकर लिखिए |

1) पहाड़ को किन रूपों में दर्शाया गया है?
   (a) संध्या के रूप में
   (b) किसान के रूप में
   (c) एक पहरेदार के रूप में
   (d) एक बच्चे के रूप में
2) चिलम के रूप में किसका चित्रण किया गया है?
   (a) पहाड़ का
   (b) पलाश का
   (c) अँगीठी का
   (d) सूर्य का
3) पहाड़ के चरणों में बहती नदी किस रूप में दिखाई देती है?
   (a) चादर के रूप में
   (b) साफ़े के रूप में
   (c) रंभाल के रूप में
   (d) किसान के धोती के रूप में

4) कौन-सी अँगीठी दहक रही है?

(a) कोयले की (b) लकड़ी की

(c) पलाश के जंगल की (d) प्रकृति की

5) 'चिलम आधी होना' किसका प्रतीक है?

(a) सूरज के डूबने का (b) सूरज के चमकने का

(c) दिन खपने का (d) रात होने का

6) भेड़ों के झुंड-सा अंधकार कहाँ बैठा है?

(a) पूरब दिशा में (b) पश्चिम दिशा में

(c) उत्तर दिशा में (d) दक्षिण दिशा में

* अतिलघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 कविता में किसान ने किसका साफ़ा बाँधा हुआ है?

उत्तर – कविता में किसान ने आकाश का साफ़ा बाँधा हुआ है।

प्रश्न-2 कविता में सूरज किस भाँति दिख रहा है?

उत्तर - कविता में सूरज चिलम पर सुलगती आग की भाँति दिख रहा है।

प्रश्न-3 पहाड़ के नीचे बहती हुई नदी कैसी प्रतीत होती है?

उत्तर - पहाड़ के नीचे बहती हुई नदी घुटनों पर रखी चादर सी प्रतीत होती है।

प्रश्न-4 झुँड में बैठी भेड़ों जैसा क्या प्रतीत हो रहा है?

उत्तर - पूर्व क्षितज पर घना होता अँधकार - झुँड में बैठी भेड़ों जैसा प्रतीत हो रहा है।

प्रश्न-5 कविता में दर्शाए गए प्राकृतिक दृश्य में पहाड़ कैसा दिखाई दे रहा है?

उत्तर - कविता में दर्शाए गए प्राकृतिक दृश्य में पहाड़ बैठे हुए एक किसान की तरह दिखाई दे रहा है।

प्रश्न-6 पलाश के जंगल को अँगीठी क्यों कहा गया है?

उत्तर - पलाश के जंगल को अँगीठी इसलिए कहा गया है क्योंकि पलाश के पेड़ों पर खिले लाल - लाल फूल जलती अँगीठी के समान प्रतीत होते हैं।

व्याकरण

*** विशेषण** – विशेषण संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं।

1. अंशु **बड़ी** होशियार है।
2. पिता जी **बिलकुल** स्वस्थ हैं।
3. लोमड़ी **बहुत** चतुर है।

इन वाक्यों में आए बड़ी, बिलकुल, और बहुत शब्द क्रमशः होशियार, स्वस्थ तथा चतुर (विशेषण शब्दों) की विशेषता बता रहे हैं।

*** विशेषण के भेद** – विशेषण के निम्नलिखित चार भेद हैं|

1. गुणवाचक विशेषण
2. संख्यावाचक विशेषण
3. परिणामवाचक विशेषण
4. सार्वनामिक विशेषण

1. गुणवाचक विशेषण – जिस विशेषण से संज्ञा या सर्वनाम के गुण, दोष, रंग या आकार, आदि का बोध हो, उसे गुणवाचक विशेषण कहते हैं।

जैसे-

- सेब मीठा है।
- काला घोड़ा तेज़ दौड़ा।

2. संख्यावाचक विशेषण – जो विशेषण किसी संज्ञा की संख्या का बोध कराए, उसे संख्यावाचक विशेषण कहते हैं।

संख्यावाचक विशेषण दो प्रकार के होते हैं

- निश्चित संख्यावाचक विशेषण
- अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण

(i) निश्चित संख्यावाचक विशेषण – जिन विशेषण शब्दों से निश्चित संख्या का बोध होता है, उन्हें निश्चित संख्यावाचक विशेषण कहते हैं। पाँच गाय, दस सेब, एक दर्जन केले आदि।

(ii) अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण – जो विशेषण विशेष्य की निश्चित संख्या का बोध नहीं कराते हैं, अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण कहलाते हैं; जैसे- कुछ लड़के, थोड़े पैसे, बहुत पुस्तकें आदि।

3. परिमाणवाचक विशेषण – जो विशेषण अपने विशेष्य की मात्रा या परिमाण के विषय में जानकारी देते हैं, 'परिमाणवाचक : विशेषण' कहे जाते हैं|

जैसे

- दो किलो आलू
- चार लीटर दूध
- थोड़ा सा चीनी
- बहुत गरमी

4. सार्वनामिक विशेषण – जो सर्वनाम शब्द संज्ञाओं से पहले आकर उनकी ओर संकेत करते हैं, उन्हें 'संकेतवाचक विशेषण' कहते हैं|

जैसे|

- **यह लड़का** पढ़ रहा है।
- **वे हिरण** भाग रहे हैं।

लेखन विभाग

निबंध

* रक्षाबंधन

हार्दिक मिलन भाव को प्रकट करने वाले त्योहारों में रक्षा बंधन का त्योहार एक प्रमुख और आकर्षक त्योहार है। यह त्योहार प्राचीनतम त्योहारों में से एक है और नवीन त्योहारों में अत्यन्त नवीन है। यह मंगल का त्योहार है और प्रेम तथा सौहार्द्र का सूचक भी है। अतएव रक्षा बंधन का त्योहार पवित्रता और उल्लास का त्योहार है।

रक्षा बंधन का त्योहार हमारे देश में एक छोर से दूसरी छोर तक बड़ी धूम धाम से मनाया जाता है। यह त्योहार न केवल हिन्दुओं का ही त्योहार है, अपितु हिन्दुओं की देखा देखी अन्य जातियों व वर्गों ने भी इस त्योहार को अपनाना शुरू कर दिया है। ऐसा इसलिए कि यह त्योहार धर्म और सम्बन्ध की दृष्टि से अत्यन्त पुष्ट और महान त्योहार है। धर्म की दृष्टि से यह गुरू-शिष्य के परस्पर नियम सिद्धांतों सहित उनके परस्पर धर्म को- प्रतिपादित करने वाला है। सम्बन्ध की दृष्टि से यह त्योहार भाई बहन के परस्पर सम्बन्धों की गहराई को प्रकट

करने वाला एक दिव्य और श्रेष्ठ त्योहार है। अतएव रक्षा बंधन का त्योहार एक महान उच्च और श्रेष्ठ त्योहार ठहरता है।

रक्षा बंधन का त्योहार भारतीय त्योहारों में से एक प्राचीन त्योहार है। इस दिन बहन भाई के लिए मंगल कामना करती हुई उसे राखी बांधती है। भाई उसे हर स्थिति में रक्षा करने का वचन देता है। इस प्रकार रक्षाबंधन भाई बहन के पावन स्नेह का त्योहार है।धार्मिक दृष्टि से इस त्योहार का आरम्भ और प्रचलन अत्यन्त प्राचीन है। विष्णु पुराण के अनुसार भगवान विष्णु ने जब वामन अवतार लिया था, तब उन्होंने सुप्रसिद्ध अभिमानी दानी राजा बलि से केवल तीन पग धरती दान में माँगी थी। बलि द्वारा स्वीकार करने पर भगवान वामन ने सम्पूर्ण धरती को नापते हुए बलि को पाताल में भेज दिया। इस कथा में कुछ धार्मिक भावनाओं को जोड़कर इसे रक्षा बंधन के रूप में याद किया जाने लगा। उसी स्मृति में इस त्योहार का प्रचलन हुआ।

आज रक्षा बंधन का त्योहार समस्त भारत में बहुत खुशी और स्नेह भावना के साथ प्रतिवर्ष वर्षा ऋतु में श्रवण माह की पूर्णिमा को मनाया जाता है। इस दिन बहनें पवित्र भावनाओं के साथ अपने भाइयों को टीका लगाती हैं। उन्हें मिष्ठान्न खिलाती हैं। वे उनकी आरती उतार कर उनको राखी बाँधती हैं। भाई यथाशक्ति उन्हें इसके उपलक्ष्य में कुछ न कुछ अवश्य भेंट करता है। गुरू, आचार्य, पुरोहित आदि ब्राहमण प्रवृत्ति के व्यक्ति अपने शिष्य और यजमानों के हाथ में रक्षा सूत्र बांधकर उनसे दान प्राप्त करते हैं। हमें इस महान और पवित्र त्योहार के आदर्श की रक्षा करते हुए इसे नैतिक भावों के साथ खुशी खुशी मनाना चाहिए।

*** गतिविधि** – किसान का चित्र बनाए |

बाल-महाभारत
पाठ- 11 और 12

*** प्रश्नों के उत्तर**

प्रश्न-1 कौन - कौन वारणावत गए?
उत्तर - पाँचों पांडव और माता कुंती वारणावत गए।

प्रश्न-2 किसने युधिष्ठिर को दुर्योधन के षड्यंत्र से बचने का उपाय बताया?
उत्तर - विदुर ने युधिष्ठिर को दुर्योधन के षड्यंत्र से बचने का उपाय बताया।

प्रश्न-3 वारणावत के लोगों ने पांडवों के आगमन पर क्या किया?
उत्तर -वारणावत के लोग पांडवों के आगमन की खबर पाकर बड़े खुश हुए और उनके वहाँ पहुँचने पर उन्होंने बड़े ठाठ से उनका स्वागत किया।

प्रश्न-4 जब तक लाख का भवन बनकर तैयार हुआ तब तक पांडव कहाँ रहा करते थे?
उत्तर - जब तक लाख का भवन बनकर तैयार हुआ, पांडव दूसरे घरों में रहते रहे, जहाँ पुरोचन ने पहले से ही उनके ठहरने का प्रबंध कर रखा था।

प्रश्न-5 ध्यानपूर्वक देखने पर युधिष्ठिर को भवन के बारे में क्या पता चला?
उत्तर - ध्यान से देखने पर युधिष्ठिर को पता चल गया कि यह घर जल्दी आग लगनेवाली चीज़ों से बना हुआ है।

प्रश्न-6 कुंती ब्राह्मण की मदद क्यों करना चाहती थी?
उत्तर - कुंती ने सोचा कि इस ब्राह्मण के घर में उन्होंने कई दिन आराम से बिताए हैं। तो मनुष्य होने के नाते कुंती और पांडवों को भी ब्राह्मण की इस विपदा की घडी में मदद करनी चाहिए।

प्रश्न-7 भीमसेन ने नगरवासियों को किससे छुटकारा दिलवाया और कैसे?
उत्तर - भीमसेन ने बकासुर को मार कर नगरवासियों को उससे छुटकारा दिलवाया।

प्रश्न-8 द्रौपदी कौन थी?
उत्तर- द्रौपदी पांचाल-नरेश की कन्या थी।

प्रश्न-9 द्रौपदी कहाँ की राजकुमारी थी?
उत्तर- द्रौपदी पांचाल देश की राजकुमारी थी।

प्रश्न-10 पाँचों भाई माता कुंती के साथ पांचाल देश में कहाँ रुके?
उत्तर - पाँचों भाई माता कुंती के साथ पांचाल देश में किसी कुम्हार की झोंपड़ी में रुके।

प्रश्न-11 पांचाल देश में भी पांडव ब्राह्मण-वेश में ही क्यों गए?
उत्तर - पांचाल देश में भी पांडव ब्राह्मण-वेश में ही इसलिए गए जिससे उनको कोई पहचान न सके।

पाठ – 9 चिड़िया की बच्ची
(लेखक – जैनेद्र कुमार)

* पाठ का सार

माधवदास एक बड़ा व्यापारी है। उसके पास अपार धन-दौलत है। संगमरमर से बनी नई कोठी, उसके सामने सुहावना बगीचा, फल-पौधे, हौज में लगे फव्वारे सब आकर्षित करने वाले हैं। वह कला का प्रेमी है। किसी प्रकार की कोई गंदी आदत उसे नहीं है। इतना सबकुछ होने पर भी उसके जीवन में खालीपन है क्योंकि वह अकेले रहता था। माधवदास के बगीचे में सुंदर चिड़िया का आना-एक दिन शाम के समय गुलाब के पौधे की टहनी पर सहसा एक चिड़िया आकर बैठ जाती है। चिड़िया बहुत सुंदर थी। वह इधर-उधर फुदक रही थी। नन्ही सी चोंच से प्यारी-प्यारी आवाज़ निकाल रही थी। माधवदास को वह चिड़िया बहुत प्यारी लगी वे उसे कहने लगे-"चिड़िया! यह बगीचा मैंने तुम्हारे लिए ही बनवाया है। तुम बेखटके यहाँ आया करो।" चिड़िया भयभीत हो गई। वह बोली "मैं थककर यहाँ बैठ गई थी। मैं अभी चली जाऊँगी मुझे माफ़ कर दो।"

* नए शब्द

1) संगमरमर
2) हौज
3) मसनद
4) तृप्ति
5) सटक
6) बेखटके
7) रागनी
8) साँझ
9) तृष्टा
10) मढ़कर

* शब्दार्थ

1) संगमरमर = एक चिकना पत्थर
2) हौज = पानी का बड़ा सा बर्तन
3) मसनद = बड़ी सी टाकिया
4) सटक = नली
5) स्वछंदा = आजादी
6) बोध = ज्ञान
7) रागनी = एक प्रकार का गीत
8) जात = पक्षी
9) तृष्णा = प्यास
10) मढ़कर = जड़कर

* सही विकल्प चुनकर लिखिए |

1) शाम के वातावरण में क्या-क्या परिवर्तन हो जाता है-
(a) गरमी कम हो जाती है
(b) हवा चलने लगती है
(c) आसमान रंग-बिरंगा हो जाता है
(d) और गरमी कम हो जाती है और आसमान रंग-बिरंगा हो जाता है

2) माधवदास चिड़िया से क्या चाहता था?
(a) वह वहाँ खूब गाए (b) वह पेड़ों पर झूमे
(c) वह वहीं रह जाए (d) वह वहाँ से भाग जाए।

3) माधवदास चिड़िया को किसका प्रलोभन दे रहे थे।
(a) सोने के पिंजरे का (b) पेड़ की डालियों का
(c) घोंसले का **(d) अपने धन/ दौलत का**

4) बगीचा में चिड़िया कहाँ आकर बैठी थी?
(a) ज़मीन पर (b) फव्वारे पर
(c) गुलाब की टहनी पर (d) टीले के पास

5) चिड़िया की गरदन का रंग कैसा था?
(a) लाल (b) पीली
(c) हरी (d) काली

* अतिलघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 "चिड़िया की बच्ची" के पाठ के लेखक का नाम क्या है?
उत्तर - "चिड़िया की बच्ची" के पाठ के लेखक जैनेंद्र कुमार है।

प्रश्न-2 माधवदास कब प्रकृति की छटा निहारने के लिए बैठते थे?
उत्तर - माधवदास शाम को प्रकृति की छटा निहारने के लिए बैठते थे।

प्रश्न-3 माधवदास के बगीचे में चिड़िया कहाँ आ कर बैठती है?
उत्तर - माधवदास के बगीचे में चिड़िया गुलाब की डाली पर आ कर बैठती है।

प्रश्न-4 चिड़िया माधवदास के बगीचे में क्यों आई थी?
उत्तर - चिड़िया माधवदास के बगीचे में कुछ देर आराम करने आई थी।

प्रश्न-5 चिड़िया घर से क्यों उड़ आई थी?
उत्तर - सूरज की धूप खाने, हवा से खेलने और फूलों से बात करने के लिए चिड़िया घर से उड़ आई थी।

* लघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 माँ के पास पहुँच कर चिड़िया की क्या हालत हुई?
उत्तर - माँ के पास पहुँच कर चिड़िया माँ की गोद में गिरकर सुबकने लगी। वह काँप - काँपकर माँ की छाती से चिपक गई। बड़ी देर में उसे ढाढ़स बँधा और तब वह पलक मींच माँ से चिपककर सोई जैसे अब पालक न खोलेगी।

प्रश्न-2 माधवदास ने चिड़िया को क्या - क्या प्रलोभन दिए?
उत्तर - माधवदास ने चिड़िया को सोने का एक घर बनवाने जिसमें मोतियों की झालर लटकी होगी और पानी पीने की कटोरी भी सोने की होगी, मालामाल करने और ढेर सारा सोना देने का प्रलोभन दिया। उससे यह भी कहा कि बगीचे के फूल उसके लिए खिला करेंगें।

प्रश्न-3 चिड़िया माधवदास के बहकावे में क्यों नहीं आई?
उत्तर - चिड़िया के लिए हवा, धुप और फूल ही उसकी धनसंपत्ति थे। उसकी सारी संपन्नता उसकी स्वछंदता ही थी। उसे सोने चाँदी से कुछ लेना देना नहीं था। चिड़िया के लिए आत्मिक और पारिवारिक सुख ही महत्वपूर्ण था। उसके लिए उसकी माँ की गोद सबसे प्यारी थी। यही कारण था कि वह माधवदास के बहकावे में नहीं आई।

* दीर्घ प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 माधवदास क्यों बार-बार चिड़िया से कहता है कि यह बगीचा तुम्हारा ही है? क्या माधवदास निःस्वार्थ मन से ऐसा कह रहा था? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर - माधवदास को वह चिड़िया बहुत ही सुन्दर और प्यारी लगी इसलिए वह चाहता था कि वहचिड़िया हमेशा के लिए उसके बगीचे में ही रह जाए। वह कहीं और ना जाए। यही कारण था कि वह बारबार चिड़िया से कहता है कि यह बगीचा तुम्हारा ही है। माधवदास यह निःस्वार्थ मन से नहीं कह रहा था, इसमें उसका स्वार्थ छुपा था। वह ऐसा इसलिए कह रहा था जिससे कि वह उसकी अध्भुत सुंदरता को निहार सके और उसका चहचहाना सुन सके।

प्रश्न-2 किन बातों से ज्ञात होता है कि माधवदास का जीवन संपन्नता से भरा था और किन बातों से ज्ञात होता है कि वह सुखी नहीं था?

उत्तर – माधवदास ने अपने लिए संगमरमर की एक नयी कोठी बनवायी थी और उसके सामने बहुत सुहावना बगीचा भी लगवाया था। उसका रहन सहन रईसों जैसा था। उसके पास कई कोठियाँ, बगीचें और दास - दासियाँ थीं । वह चिड़िया से बात के क्रम में उसके लिए सोने का घर बनवाने तथा उसे मालामाल कर देने की बात भी कर ता है। इन बातों से ज्ञात होता है कि माधवदास का जीवन संपन्नता से भरा था।पाठ में बताया गया है कि उसके जीवन में खालीपन था। वह चिड़िया से बात के क्रम में कहता है कि उसका महल सुना है और वहाँ कोई भी चहचहाता नहीं है। उसका चिड़िया को साथ रहने के लिए प्रलोभन देना और केवल अपने अकेलेपन को दूर करने के लिए उसे पकड़ने का प्रयास करना यह दर्शाता है कि सारी संपन्नताओं के बावजूद भी वह सुखी नहीं था।

व्याकरण

*** क्रिया- विशेषण** - वह शब्द जो हमें क्रियाओं की विशेषता का बोध कराते हैं, वे शब्द क्रिया-विशेषण कहलाते हैं।

- दुसरे शब्दों में - जिन शब्दों से क्रिया की विशेषता का पता चलता है, उन शब्दों को हम क्रिया-विशेषण कहते हैं।
- जैसे - हिरण तेज़ भागता है।
- इस वाक्य में भागना क्रिया है। तेज़ शब्द हमें क्रिया कि विशेषता बता रहा है कि वह कैसे भाग रहा है। अतः तेज़ शब्द क्रिया-विशेषण है।

क्रिया-विशेषण के भेद

i. स्थानवाचक क्रिया-विशेषण - जिन अविकारी शब्दों से क्रिया के व्यापार के स्थान का पता चले उसे स्थानवाचक क्रिया-विशेषण कहते हैं।

जैसे - यहाँ, वहाँ, कहाँ, जहाँ, सामने, नीचे, ऊपर, आगे, भीतर, बाहर, दूर, पास, अंदर, किधर, इस ओर, उस ओर, इधर, उधर, जिधर, दाएँ, बाएँ, दाहिने आदि।

उदाहरण -

(i) बच्चे ऊपर खेलते हैं।
(ii) अब वहाँ अकेला मजदूर था।
(iii) तुम बाहर बैठो।
(iv) वह ऊपर बैठा है।

ii. कालवाचक क्रिया-विशेषण - जिन अविकारी शब्दों से क्रिया के व्यापार के समय का पता चलता है, उसे कालवाचक क्रिया-विशेषण कहते हैं।

जैसे - आज, कल, परसों, पहले, अब तक, अभी-अभी, लगातार, बार-बार, प्रतिदिन, अक्सर, बाद में, जब, तब, अभी, कभी, नित्य, सदा, तुरंत, आजकल, कई बार, हर बार आदि।

उदाहरण -
(i) आज बरसात होगी।
(ii) राम कल मेरे घर आएगा।
(iii) वह कल आया था।
(iv) तुम अब जा सकते हो।

iii. परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण - जिन अविकारी शब्दों से क्रिया के परिमाण और उसकी संख्या का पता चलता है, उसे परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण कहते हैं।

जैसे - बहुत, अधिक, पूर्णतया, कुछ, थोडा, काफी, केवल, इतना, उतना, कितना, थोडा-थोडा, एक-एक करके, जरा, खूब, बिलकुल, ज्यादा, अल्प, बड़ा, भारी, लगभग, क्रमशः आदि।

उदाहरण -
(i) अधिक पढो।
(ii) ज्यादा सुनो।
(iii) कम बोलो।
(iv) अधिक पियो।

iv. रीतिवाचक क्रियाविशेषण - जिन अविकारी शब्दों से क्रिया की रीति या विधि का पता चलता है, उसे रीतिवाचक क्रिया-विशेषण कहते हैं।

जैसे - सचमुच, ठीक, अवश्य, कदाचित, ऐसे, वैसे, सहसा, तेज, सच, झूठ, धीरे, ध्यानपूर्वक, हंसते हुए, तेजी से, फटाफट आदि।

उदाहरण -
(i) अचानक काले बादल घिर आए।
(ii) हरीश ध्यान पूर्वक पढ़ रहा है।
(iii) रमेश धीरे -धीरे चलता है।
(iv) वह तेज भागता है।

लेखन विभाग
चित्र वर्णन

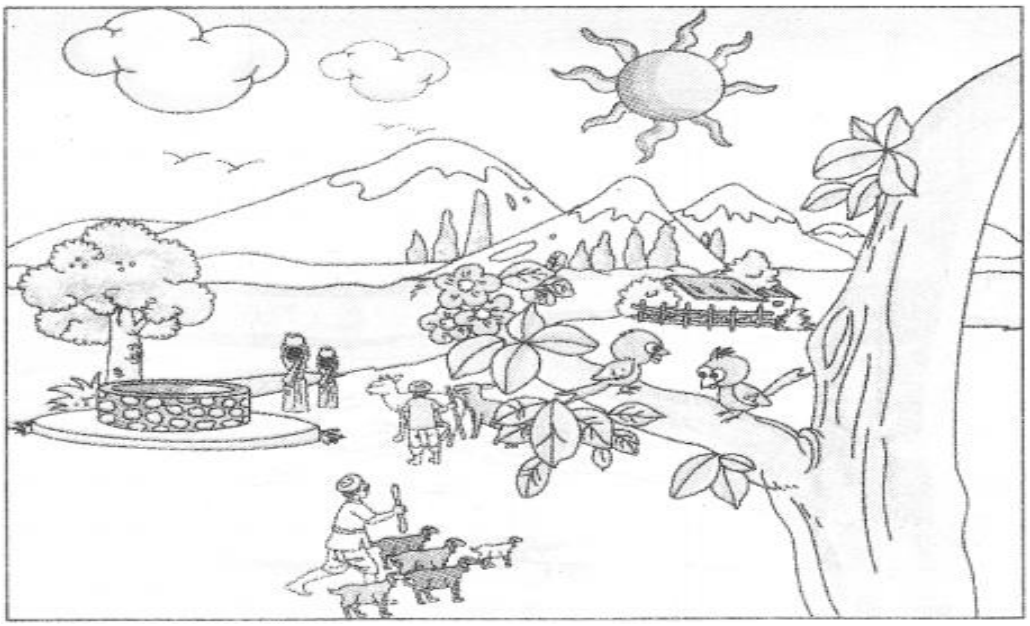

यह दृश्य प्रात:काल सूर्योदय का है। आसमान का रंग सूर्य की लालिमा लिए हुए एक अनूठी छटा बिखेर रहा है। कुछ पक्षी उड़ रहे हैं कुछ पेड़ की डाल पर बैठे उड़ने की तैयारी में हैं। दो घर दिखाई दे रहे हैं जिनके बाहर सुन्दर फूलों के पौधे हैं। सामने कुआँ है उसके पास एक बड़ा वृक्ष है। दो स्त्रियाँ सिर पर घड़े रखकर कुएँ से पानी लेने जा रही हैं। चरवाहा भेड़ों को चराने के लिए ले जा रहा है। पूरा दृश्य मनमोहक छटा बिखेर रहा है। प्रात:काल का समय सबसे उत्तम समय माना जाता है। इस समय भ्रमण करने से मनुष्य का स्वास्थ्य अच्छा रहता है।

*** गतिविधि – चिड़ियाँ का चित्र बनाए |**

बाल-महाभारत
पाठ- 13, 14, 15

प्रश्न-1 दुर्योधन ने एकांत में धृतराष्ट्र से क्या कहा?

उत्तर- दुर्योधन ने धृतराष्ट्र से कहा "पिता जी, जल्दी ही हम ऐसा कोई उपाय करें, जिससे हम सदा के लिए निश्चित हो जाएँ।"

प्रश्न-2 कर्ण ने दुर्योधन को क्या सलाह दी?

उत्तर - कर्ण ने दुर्योधन को पांडवों पर हमला करने की सलाह दी।

प्रश्न-3 खांडवप्रस्थ कैसी नगरी थी?

उत्तर- खांडवप्रस्थ वह नगरी थी, जो पुरु, नहुष एवं ययाति की राजधानी थी।

प्रश्न-4 बाद में खांडवप्रस्थ का नाम क्या रखा गया?

उत्तर- बाद में खांडवप्रस्थ का नाम इंद्रप्रस्थ रखा गया।

प्रश्न-5 इंद्रप्रस्थ में द्रौपदी और माता कुंती के साथ पाँचों पांडव ने कितने बरस तक राज्य किया?

उत्तर - इंद्रप्रस्थ में द्रौपदी और माता कुंती के साथ पाँचों पांडव ने तेईस बरस तक राज्य किया।

प्रश्न-6 राजसूय यज्ञ करने की इच्छा से युधिष्ठिर ने किससे सलाह ली?

उत्तर- राजसूय यज्ञ करने की इच्छा से युधिष्ठिर ने श्रीकृष्ण से सलाह ली।

प्रश्न-7 राजसूय यज्ञ करके युधिष्ठिर कौन सा पद प्राप्त करना चाहते थे?

उत्तर- राजसूय यज्ञ करके युधिष्ठिर सम्राट - पद प्राप्त करना चाहते थे।

प्रश्न-8 राजसूय यज्ञ कौन कर सकता था?

उत्तर- राजसूय यज्ञ वही राजा कर सकता था, जो सारे संसार के नरेशों का पूज्य हो और उनके द्वारा सम्मानित हो।

प्रश्न-9 जरासंध की मृत्यु के बाद मगध की राजगद्दी किसको मिली?

उत्तर - जरासंध की मृत्यु के बाद मगध की राजगद्दी जरासंध के पुत्र सहदेव को मिली।

पाठ – 10 अपूर्व अनुभव
(लेखक – तेत्सुकों कुरियानागी)

* पाठ का सार

अपूर्व अनुभव पाठ की विधा संस्मरण है। एक लड़की तोत्तो-चान जो अपने विकलांग मित्र यासुकी-चान को पेड़ पर चढ़ाकर दूर तक की सुंदरता दिखाना चाहती है। तोत्तो-चान ने अपने मित्र यासुकी-चान को बिना किसी को बताए अपने पेड़ पर चढ़ने का निमंत्रण दिया। पेड़ का चुनाव-तोमोए नामक स्थान पर हर बच्चा अपने अधिकार से अपना एक पेड़ चुन लेता था जिसे वह केवल अपने खुद के चढ़ने का पेड़ मानता था। तोत्तो-चान ने भी कुहोन्बुत्सु नामक स्थान तक जाने वाली सड़क के पास एक पेड़ का चुनाव किया। यह द्विशाखा वाला पेड़ था जो धरती से लगभग छः फुट की ऊँचाई पर था। इस पर चढ़कर ऊपर का आकाश या नीचे सड़क पर चलते लोगों को देखकर बहुत आनंद मिलता था वह अकसर इस झूले-सी आरामदेह जगह पर स्कूल के बाद या स्कूल की आधी छुट्टी के समय आया करती थी।

* नए शब्द

1) सभागार
2) शिविर
3) निजी
4) शिष्टता
5) धकियाना
6) सूझना
7) पिचकी
8) लुभावनी

* शब्दार्थ

1) सभागार = बड़ा सा कमरा
2) शिविर= कैप
3) निजी = अपनी
4) शिष्टता = विनम्रता
5) धकियाना = धक्का लगाना
6) सूझना = दिमाग में आना
7) पिचकी = सिकुड़ी
8) लुभावनी = लुभाने वाली

* सही विकल्प चुनकर लिखिए |

1) बच्चे किस्से अपनी संपत्ति मानते थे?
   (a) स्वयं को
   (b) पेड़ को
   (c) अपनी जगह को
   (d) किसी को नहीं

2) यासुकी-चान को क्या रोग था?
   (a) पोलियो का
   (b) पेड़ पर चढ़ने के लिए
   (c) आपस में मिलने के लिए
   (d) कहीं चलने के लिए

3) तोत्तो-चान किस काम को आसान समझ रही थी?
   (a) यासुकी-चान के साथ खेलना
   (b) सीढ़ी लाना
   (c) यासुकी-चान के साथ रहना
   (d) यासुकी-चान को पेड़ पर चढ़ाना

4) यासुकी-चान का घर इनमें से कहाँ था?
   (a) तोमोए में
   (b) डेनेनवोफु में
   (c) कुहोन्बसु में
   (d) हिरोशिमा में

5) तोत्तो-चान ने अपनी योजना का सच सर्वप्रथम किसे बताया?
   (a) यासुकी-चान को
   (b) अपनी माँ को
   (c) यासुकी-चान की माँ को
   (d) रॉकी को

* अतिलघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 यासुकी - चान का घर कहाँ था?

उत्तर - यासुकी - चान का घर डेनेनचोफु में था।

प्रश्न-2 "अपूर्व अनुभव" पाठ की विधा क्या है?
उत्तर – "अपूर्व अनुभव" पाठ की विधा 'संस्मरण' है।
प्रश्न-3 तोमोए में पेड़ को बच्चे कैसी संपत्ति मानते थे?
उत्तर - तोमोए में पेड़ को बच्चे अपनी निजी संपत्ति मानते थे।
प्रश्न-4 तोत्तो-चान की योजना के बारे में किसे पता नहीं था?
उत्तर - तोत्तो-चान की योजना के बारे में उसकी माता को पता नहीं था।
प्रश्न-5 तोत्तो-चान ने सबसे पहले अपनी योजना के बारे में किसे बताया?
उत्तर - तोत्तो-चान ने सबसे पहले अपनी योजना के बारे में रॉकी को बताया।
प्रश्न-6 "देखो, अब डरना मत," ऐसा तोत्तो-चान ने किसकी आवाज़ में कहा?
उत्तर - "देखो, अब डरना मत," ऐसा तोत्तो-चान ने बड़ी बहन की - सी आवाज़ में कहा।
प्रश्न-7 तोत्तो-चान का पेड़ कहाँ था?
उत्तर - तोत्तो-चान का पेड़ मैदान के बाहरी हिस्से में कोहोन्बुत्सु जानेवाली सड़क के पास था।
प्रश्न-8 तोमोए में पेड़ और बच्चों के बीच क्या संबंध है?
उत्तर - तोमोए में हरेक बच्चा बाग़ के एक - एक पेड़ को अपने खुद के चढ़ने का पेड़ मानता था।

* लघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 अपनी माँ से झूठ बोलते समय तोत्तो-चान की नज़रें नीचे क्यों थीं?
उत्तर - तोत्तो-चान ने अपनी माँ से झूठ कहा था कि वह यासुकी-चान के घर जा रही है। असल में वह यासुकी-चान को पेड़ पर चढ़ाने के लिए लेकर जा रही थी। उसे डर था कि अगर उसने माँ की ओर देखा तो माँ उसकी चोरी पकड़ लेगी और उसे नहीं जाने देगी। इसी डर के कारण झूठ बोलते समय तोत्तो-चान की नज़रें नीचे थी।
प्रश्न-2 त्तो-चान ने यासुकी - चान को पेड़ पर चढ़ाने के लिए क्या - क्या किया?
उत्तर - तोत्तोचान पहले चौकीदार के छप्पर से सीढ़ी ले आई। परन्तु यासुकी - चान के हाथ - पैर इतने कमज़ोर थे कि वह पहली सीढ़ी पर भी बिना सहारे के चढ़ नहीं पाया। उसके बाद तोत्तोचान वहाँ से एकतिपाई सीढ़ी ले आई। तोत्तोचान उसका एक - एक पैर सीढ़ी पर धरने में मदद करती और अपने सिर से वह उसके पिछले हिस्से को भी स्थिर करती रही। ऊपर पहुँचने पर तोत्तोचान ने यासुकी - चान को पेड़ की द्विशाखा पर खिंच लिया। इस तरह तोत्तोचान ने यासुकी - चान को आखिर कर पेड़ पर चढ़ा दिया।
प्रश्न-3 तोत्तो-चान ने यासुकी - चान को पेड़ पर चढ़ाने के लिए सबसे पहले क्या किया और वह असफल क्यों रही?
उत्तर - तोत्तो-चान यासुकी - चान को पेड़ पर चढ़ाने के लिए चौकीदार के छप्पर से सीढ़ी ले आई। परन्तु यासुकी – चान के हाथ - पैर इतने कमज़ोर थे कि वह पहली सीढ़ी पर भी बिना सहारे के चढ़ नहीं पाया। इस पर तोत्तो चान नीचे उतर आई और यासुकी - चान को पीछे से धकियाने लगी। पर तोत्तो-चान थी छोटी और नाज़ुक सी, इससे अधिक सहायता क्या करती। यासुकी - चान ने अपना पैर सीढ़ी पर से हटा लिया और हताशा से सर झुकाकर खड़ा हो गया।

व्याकरण

* अशुद्धि शोधन –

1) लड़के को काटकर सेव खिलाओ। (अशुद्)
- लड़के को सेव काटकर खिलाओ। (शुद्ध)
2) बहुत देर तक वह बारिश में नहाता रहा। (अशद्ध)
- वह बारिश में बहुत देर तक नहाता रहा था। (शुद्ध)
3) सच में क्या तुम्हें प्रथम स्थान मिला है । (अशुद्ध)
- क्या तुम्हें सचमुच में प्रथम स्थान मिला है। (शुद्ध)0

4) क्या प्रथम तुम आई हो विद्यालय में। (अशुद्ध)
- क्या तुम विद्यालय में प्रथम आई हो। (शुद्ध)
5) वहां पर अनेकों लोग खड़े हैं । (अशुद्ध)
- वहां पर अनेक लोग खड़े हैं । (शुद्ध)
6) राधा मेरी परम प्रिय स्नेही है। (अशुद्ध)
- राधा मेरी परम प्रिय है । (शुद्ध)
7) आइए पधारिए आपका स्वागत है। (अशुद्ध)
- आइए आपका स्वागत है। (शुद्ध)
8) मेघ पानी बरसाते हैं । (अशुद्ध)
- मेघ बरसते हैं । (शुद्ध)
9) वह गुनगुने गर्म पानी से स्नान करता है। (अशुद्ध)
- वह गुनगुने पानी से स्नान करता है। (शुभ)
10) पिताजी आप अपना काम कर लेते हैं । (अशुद्ध)
- पिताजी अपने आप अपना काम कर लेते हैं। (शुद्ध)

लेखन विभाग

स्कूल में निबंध प्रतियोगिता के आयोजन हेतु सूचना।

सूचना
सती पब्लिक स्कूल
बनकोट , उत्तर प्रदेश
निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

आप सभी विद्यार्थियों को यह जानकर अति प्रसन्नता होगी कि हमारे विद्यालय में गाँधी जयंती के अवसर पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें प्रथम , दुतीय व तृतीय स्थान पाने वाले को क्रमश: 20, 000/-, 15,000/- , 10,000/-रूपये का पुरुस्कार दिया जायेगा।
दिनांक – 2 अक्टूबर 2020
समय – 10:10 am
इच्छुक छात्र-छात्राएं अपना नाम अपने क्लास टीचर को 25 सितंबर 2020 तक दे दें।
निशांत गर्ग
स्कूल प्रबंधक

* गतिविधि – पाठ आधारित चित्र बनाए |

बाल महाभारत

पाठ – 16 से 20

* प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न-1 विदुर पांडवों को किस बात के लिए न्यौता देने गए थे?

उत्तर - विदुर पांडवों को चौसर के खेल के लिए न्यौता देने गए थे।

प्रश्न-2 राजवंशों की रीति के अनुसार चौसर के खेल का क्या नियम था?

उत्तर – राजवंशों की रीति के अनुसार किसी को भी खेल के लिए बुलावा मिल जाने पर उसे अस्वीकार नहीं किया जा सकता था।

प्रश्न-3 सभा-मंडप में कौन-कौन उपस्थित थे?

उत्तर - सारा मंडप दर्शकों से खचाखच भरा हुआ था। द्रोण, भीष्म, कृप, विदुर, धृतराष्ट्र जैसे वयोवृद्ध भी उपस्थित थे।

प्रश्न-4 युधिष्ठिर की चौसर के खेल के बारे में क्या राय थी?

उत्तर – युधिष्ठिर की राय में चौसर का खेल अच्छा नहीं था। उससे आपस में झगड़े पैदा होते हैं। समझदार लोग उसे पसंद नहीं करते हैं।

प्रश्न-5 अंत में दुर्योधन ने द्रौपदी को सभा में लाने के लिए किसे भेजा?

उत्तर- अंत में दुर्योधन ने द्रौपदी को सभा में लाने के लिए दुःशासन को भेजा।

प्रश्न-6 दुर्योधन ने प्रातिकामी को बुलाकर क्या आदेश दिया?

उत्तर- दुर्योधन ने प्रातिकामी को बुलाकर कहा-"विदुर तो हमसे जलते हैं और पांडवों से डरते हैं। रनवास में जाओ और द्रौपदी को बुला लाओ।"

प्रश्न-7 दुःशासन द्रौपदी को सभा किस प्रकार ले कर आया?

उत्तर– दुःशासन ने द्रौपदी के गुँथे हुए बाल बिखेर डाले, गहने तोड़-फोड़ दिए और उसके बाल पकड़कर बलपूर्वक घसीटता हुआ सभा ले कर आया।

प्रश्न-8 दूसरी बार खेल के परिणाम स्वरूप युधिष्ठिर ने क्या किया?

उत्तर - दूसरी बार भी युधिष्ठिर हार गए और पांडव अपने किए वादे के अनुसार वन में चले गए।

प्रश्न-9 युवक विकर्ण के भाषण से सभा के लोगों पर क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर - युवक विकर्ण के भाषण से वहाँ उपस्थित लोगों के विवेक पर से भ्रम का परदा हट गया। सभा में बड़ा कोलाहल मच गया।

प्रश्न-10 भीम ने भरी सभा में क्या शपथ ली?

उत्तर - भीम ने भरी सभा में शपथ ली कि जब तक वह भरत वंश पर बट्टा लगानेवाले इस दुरात्मा दुःशासन की छाती चीर न लेगा , तब तक इस संसार को छोड़कर नहीं जाएगा।

प्रश्न-11 द्रौपदी के पुत्रों को लेकर कौन और कहाँ चला गया?

उत्तर - द्रौपदी के पुत्रों को लेकर धृष्टद्युम्न पांचाल देश चला गया।

प्रश्न-12 अर्जुन की पत्नी सुभद्रा और उसके पुत्र अभिमन्यु को कौन लेते गए और कहाँ?

उत्तर - श्रीकृष्ण अपने साथ अर्जुन की पत्नी सुभद्रा और उसके पुत्र अभिमन्यु को भी द्वारकापुरी लेते गए।

प्रश्न-13 हस्तिनापुर में हुई घटनाओं की खबर पाते ही श्रीकृष्ण ने क्या किया?

उत्तर - हस्तिनापुर में हुई घटनाओं की खबर पाते ही वह फ़ौरन उस वन को चल पड़े जहाँ पांडव ठहरे हुए थे।

प्रश्न-14 पांडवों से मिलने श्रीकृष्ण के साथ कौन-कौन गए?

उत्तर – श्रीकृष्ण जब पांडवों से भेंट करने के लिए जाने लगे, तो उनके साथ कैकेय, भोज और वृष्टि जाति के नेता, चेदिराज धृष्टकेतु आदि भी गए।

प्रश्न-15 बंदर ने अपना परिचय क्या दिया?

उत्तर – बंदर ने कहा की वह ही हनुमान है।

प्रश्न-16 भीम जब फूल लाने गए तो रास्ते में उनकी किससे भेंट हुई?

उत्तर - भीम जब फूल लाने गए तो रास्ते में उनकी हनुमान से भेंट हुई।

प्रश्न-17 भीम बंदर को लाँघना क्यों नहीं चाहते थे?
उत्तर - भीम बंदर को लाँघना इसलिए नहीं चाहते थे क्योंकि किसी जानवर को लाँघना अनुचित कहा गया है।
प्रश्न-18 भीम की बातों को सुनकर बंदर ने क्या कहा?
उत्तर – बंदर बोला-"देखो भाई, मैं बूढ़ा हूँ। कठिनाई से उठ-बैठ सकता हूँ। ठीक है, यदि तुम्हें आगे बढ़ना ही है, तो मुझे लाँघकर चले जाओ।"
प्रश्न-19 द्रौपदी ने सुंदर फूल को देखकर भीमसेन से क्या कहा?
उत्तर - द्रौपदी ने उस सुंदर फूल को उठा लिया और भीमसेन के पास जाकर बोली-"क्या तुम जाकर ऐसे ही कुछ और फूल ला सकोगे?"
प्रश्न-20 भीमसेन को बंदर की पूँछ न उठा पाने पर कैसा लगा?
उत्तर भीमसेन बंदर की पूँछ न उठा पाने पर बड़ा लज्जित हुआ। उसका गर्व चूर हो गया। उसे बड़ा विस्मय होने लगा कि उससे अधिक ताकतवर यह कौन है!
प्रश्न-21 भीम को किस कारण लज्जित होना पड़ा?
उत्तर – भीम ने दोनों हाथों से पूँछ पकड़कर खूब जोर लगाया। किंतु पूँछ वैसी-की-वैसी ही धरी रही। इस कारण भीम बड़ा लज्जित हुआ और उसका गर्व चूर हो गया।
प्रश्न-22 मारुती ने भीमसेन को क्या आशीर्वाद दिया?
उत्तर – मारुती ने भीमसेन को आशीर्वाद देते हुए कहा -" भीम! युद्ध के समय तुम्हारे भाई अर्जुन के रथ पर उड़नेवाली ध्वजा पर मैं विद्यमान रहूँगा। विजय तुम्हारी ही होगी।"
प्रश्न-23 कुशल समाचार पूछने के बाद शकुनि ने सभा-मंडप में युधिष्ठिर से क्या कहा?
उत्तर - कुशल समाचार पूछने के बाद शकुनि ने कहा "युधिष्ठिर, खेल के लिए चौपड़ बिछा हुआ है। चलिए, दो हाथ खेल लें। "
प्रश्न-24 कौन दुर्योधन की चापलूसी किया करते थे?
उत्तर – कर्ण और शकुनि दुर्योधन की चापलूसी किया करते थे।
प्रश्न-25 धृतराष्ट्र ने दुर्योधन को वन जाने की अनुमति क्यों दे दी?
उत्तर – दुर्योधन ने विश्वास दिलाया कि पांडव जहाँ होंगे, वहाँ वे सब नहीं जाएँगे और बड़ी सावधानी से काम लेंगे। विवश होकर धृतराष्ट्र ने अनुमति दे दी।
प्रश्न-26 ब्राह्मणों ने दुर्योधन को कौन सा यज्ञ करने की सलाह दी?
उत्तर- ब्राह्मणों ने दुर्योधन को वैष्णव नामक यज्ञ करने की सलाह दी।
प्रश्न-27 पांडवों के वनवास के समय दुर्योधन की इच्छा कौन सा यज्ञ करने की थी?
उत्तर – पांडवों के वनवास के समय दुर्योधन की इच्छा राजसूय यज्ञ करने की थी।
प्रश्न-28 दुर्योधन राजसूय यज्ञ क्यों नहीं कर सकते थे?
उत्तर – पंडितों ने अनुसार धृतराष्ट्र और युधिष्ठिर के रहते हुए दुर्योधन राजसूय यज्ञ नहीं कर सकते थे।
प्रश्न-29 सहदेव को देखने के लिए युधिष्ठिर ने किसको भेजा?
उत्तर- सहदेव को देखने के लिए युधिष्ठिर ने अर्जुन को भेजा।
प्रश्न-30 पानी पीने के बाद चारों भाईयों के साथ क्या हुआ?
उत्तर- पानी पीने के बाद चारों भाई अचेत होकर गिर पड़े।
प्रश्न-31 युधिष्ठिर ने सबसे पहले पानी लाने किसे भेजा?
उत्तर – युधिष्ठिर ने सबसे पहले पानी लाने अपने भाई नकुल को भेजा।
प्रश्न-32 अर्जुन के भी न लौटने पर युधिष्ठिर ने क्या किया?
उत्तर- अर्जुन के भी न लौटने पर युधिष्ठिर ने भीमसेन को तीनों भाईयों को देखने को भेजा।
प्रश्न-33 पांडवों ने तेरहवाँ बरस किस नगर में बिताया?
उत्तर – पांडवों ने तेरहवाँ बरस विराट नगर में बिताया।